

सभ्यता की जंग (आर्यन **vs** द्रविड़ियन )मूल निवासी कौन ?

हाल ही में तमिलनाडु के **CM M.k** स्टालिन ने इंडस वैली सभ्यता (**i v c** ) की स्क्रिप्ट (लिपि )को समझाने के लिये **1 -million RS** , की घोषणा की हैं | उनका और उनकी पार्टी (**dMk** )का मानना है ,की भारतीय सभ्यता की शुरुवात तमिल (द्रविड़ )सभ्यता, से होती है ना की आर्यन सभ्यता से और (**ivc** )की लिपि भी मूल द्रविड़ भाषाओ जैसे ,तमिल ,तेलुगु ,कन्नड़ ,मलयालम, बराही (ब्लूचिस्तान ) से संबन्धित है ना की संस्कृत परिपाटी की भाषाओ से ,स्टालिन ने ये प्राइज **ivc** के **100** साल पूरे होने की खोज में चेन्नई में किया|

सांस्कृतिक (**cultural** )युद्ध : संस्कृत परिपाटी से सम्बन्ध रखने वाले

**archeologist** (पुरातत्त्वविद ),नेताओ ,का मानना हैं ,की (**ivc** )और संस्कृत भाषाओं में सीधा सम्बन्ध है ,(ivc )सील में मिले योगी हो या मातृदेवी की मूर्ति ,या डांस करती डांसर सभी संस्कृत परिपाटी की झलक देते है ,लेकिन द्रविड़ समर्थकों का मानना है ,सील में बैल के भी कई चित्र है जो फेमस तमिल त्यौहार (जलीकट्टू )जिसे **ancient** तमिल में( कोलेरू -थाजुवुतंम)कहते है ,को दर्शाता है |

राजनीती : **left** और **right** की राजनीती वर्तमान में और आजादी से ही इसी गुत्थी में उलझी

है ,जो सुलझने का नाम नहीं ले रही ,सरकार की नीतियाँ ,इतिहास की किताबें और यहाँ तक वर्तमान जाति जनगणना (**cast-census** )के केंद्र में यही मुद्दा है ,लेफ्ट (**sc -st** )कुछ **obc** समुदायों को मूल निवासी मानती है ,और स्वर्णिम जातियों को बाहरी ,वही राइट संस्कृत परिपाटी को भारत का जनक मानती है |

**archeologist** (पुरातत्त्वविद):स्टालिन ने (1902 -1928 )में भारतीय **archeology** के हेड रहे जॉन -मार्शल का **statue** बनाने का भी प्रस्ताव रखा है ,जिनका मानना था की **ivC** ,आर्यन सभ्यता से पुरानी है ,जिसे स्टालिन मानते हैं |

द्रविड समर्थक -जॉन मार्शल ,इरावथम महादेवम (पुरालेखाविध)

संस्तृतिक समर्थक -असको परपोला (**deciphering indus script** ),,जयकुमार रामास्वामी

**निष्कर्ष** -राजनीति से इतर लिपि अभी पूरी तरह समजी नहीं जा सकी है ,लेकिन राजनीति की रोटी सेकने वाले समय -समय पर अपने हितों के अनुसार रोटी सेकते हैं |